छूटे ना दरबार तेरा | By Sunil Sarvottam

चाहे सुख हो चाहे दुःख हो छूटे न दरबार तेरा
हर पल बाब साथ में रहना मिलता रहे हमें प्यार तेरा

जिनका साथी कोई नहीं हो उनका साथी बन जाता
जिनको सबने ठुकराया हो उनको भी तू अपनाता
कस कर हाथ पकड़ ले बाबा हमको है एतबार तेरा

हमने सुना है इस दुनिया में हारे का तू सहारा है
जिनकी नैया बीच भवर में उनको पार उतारा है
हमको भी उस पार लगा दे भूले ना उपकार तेरा

भूल अगर हो जाए हमसे बालक जान भुला देना
रूठ ना जाना बाबा हमसे अपनी शरण लगा लेना
जैसे भी है हम हैं तेरे करते रहे सत्कार तेरा

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%9b%e0%a5%82%e0%a4%9f%e0%a5%87-%e0%a4%a8%e0%a4%be-%e0%a4%a6%e0%a4%b0%e0%a4%ac%e0%a4%be%e0%a4%b0-%e0%a4%a4%e0%a5%87%e0%a4%b0%e0%a4%be-by-sunil-sarvottam/